कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (14) खण्ड -{27}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1- कौन से चित्र में सारी नॉलेज है ?

A- सृष्टि चक्र

B- गोले का

C- त्रिमूर्ति का

D- सीढी

प्रश्न सं 2- मनुष्य क्या कहते है ?

A- ड्रामा की भावी

B- ईश्वर की भावी

C- माया के तूफ़ान

D- थोड़े रोज है।

प्रश्न सं 3- शान्तिधाम में जाकर फिर कहाँ आना है ?

A- सुखधाम

B- नई दुनिया में

C- रामराज्य में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 4- सतयुगी श्रेष्ठाचारी दैवी राज्य में कितने होंगे?

A- 9 लाख

B- 2 करोड़

C- 16108

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 5- जितना समय नजदीक आता है, उतना क्या होता है ?

A- उमंग - उत्साह

B- खुशी

C- नशा

D- तीव्र पुरुषार्थ

प्रश्न 6- शिवबाबा कौन है?

A- आत्मा

B- परमात्मा

C- बिन्दी

D- B और C

प्रश्न 7- शिव ने कथा किसे सुनाई?

A- अर्जुन

B- द्रोपदी

C- पार्वती

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- निराकार परमात्मा का रिजर्व तन कौन सा है ?

A- ब्रह्मा तन

B- दादी गुलज़ार तन

C- संदेशी

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 9- भगवान से सब क्या मांगते हैं ?

A- खुशी और आनन्द

B- सुख और शान्ति

C- पीस और प्रोसपर्टी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- बाबा बाबा कहने से क्या याद आता है ?

A- शिवबाबा

B- स्वर्ग

C- वर्सा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- गरीब का एक पैसा भी साहूकार के कितने रुपये के बराबर है ?

A- सौ

B- हजार

C- पदम्

D- करोड़

प्रश्न 12- किसका गायन है ?

A- सुदामा का

B- पाण्डवों का

C- शक्तियों का

D- चावल का

प्रश्न 13- योग में रह कोई से बात करेंगे तो उनको क्या होगा ?

A- बहुत उमंग- उत्साह होगा

B- खुशी में रहेंगें

C- कशिश होगी

D- विकर्म विनाश होंगे

प्रश्न 14- आत्मा पार्ट में आते भी किस रूप में आ जाती है ?

A- न्यारेपन

B- पार्टधारी

C- कर्मबन्धन में

D- सर्वगुणसम्पन्न

प्रश्न 15- आत्मा और परमात्मा में सिर्फ किसका फर्क है ?

A- प्रवेशता का

B- गुणों का

C- महिमा का

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- हर सब्जेक्ट में फुल मार्क्स जमा करने के लिए कौनसा गुण धारण करो ?

A- सहनशीलता का

B- गम्भीरता का

C- निश्चिन्तता का

D- निर्भयता का

भाग (14) खण्ड {27} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1. D- सीढी

बाप बच्चों से पूछते हैं कि तुम यहाँ जब आते हो तो इन लक्ष्मी-नारायण के और सीढ़ी के चित्र को देखते हो? जब दोनों को देखा जाता है तो एम ऑब्जेक्ट और सारा चक्र बुद्धि में आ जाता है कि हम देवता बनकर फिर ऐसे सीढ़ी उतरते आये हैं। यह ज्ञान तुम बच्चों को ही मिलता है। तुम हो स्टूडेन्ट। एम ऑब्जेक्ट सामने खड़ा है। कोई भी आये तो उनको समझाओ - यह एम ऑब्जेक्ट है। इस पढ़ाई से यह देवी-देवता जाकर बनते हैं। फिर 84 जन्म की सीढ़ी उतरते हैं, फिर रिपीट करना है।

सीढ़ी में सारी नॉलेज आ जाती है। जैसे यह कुम्भकरण वाला चित्र है। तो यह ऐसा बनाना चाहिए - बी.के. ज्ञान अमृत पिलाती हैं, वे विष (विकार) मांगते हैं। बाबा मुरली में सब डायरेक्शन देते रहते हैं। हर एक चित्र की समझानी बड़ी अच्छी है।

उत्तर 2. B- ईश्वर की भावी

बाबा ने भी जो कहा सो ड्रामा अनुसार कहा। ड्रामा में मेरा पार्ट ऐसा है। बाबा भी ड्रामा पर रख देते हैं। *मनुष्य कहते हैं ईश्वर की भावी।* ईश्वर कहते हैं ड्रामा की भावी। ईश्वर ने बोला या इसने बोला, ड्रामा में था। कोई उल्टा काम हुआ ड्रामा में था, फिर सुल्टा हो जायेगा।

उत्तर 3. A- सुखधाम

बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे, ममत्व मिटता जायेगा। कोई का नाम-मात्र प्यार होता है। हमारा भी ऐसा है। अभी तो हम जाते हैं सुखधाम। यह तो जैसे सब मरे पड़े हैं, इनसे दिल क्या लगानी है। *शान्तिधाम में जाकर फिर

सुखधाम में आकर राज्य करेंगे।* इसको कहा जाता है पुरानी दुनिया से वैराग्य। बाप कहते हैं - इन आंखों से जो कुछ देखते हो वह सब खत्म हो जाने का है।

उत्तर 4. A- 9 लाख

सतयुगी श्रेष्ठाचारी दैवी राज्य में 9 लाख होंगे। कोई बोले इसका क्या प्रूफ है? कहो यह तो समझ की बात है ना। सतयुग में झाड़ होगा ही छोटा। धर्म भी एक है तो जरूर मनुष्य भी थोड़े होंगे।

उत्तर सं 5- B - *खुशी*

शिवबाबा के जो बनते हैं उन्हों को तो खुशी का पारा बड़ा जोर से चढ़ा रहना चाहिए। *जितना समय नजदीक आता है, उतनी खुशी होती है।* हमारे अब 84 जन्म पूरे हुए। अब यह अन्तिम जन्म है। हम जाते हैं अपने घर।

उत्तर सं 6- D - *B और C*

(B) ड्रामा अनुसार दिन-प्रतिदिन ज्ञान की प्वाइंट्स गुह्य होती जाती हैं। तो चित्रों में भी चेंज होगी। बच्चों की बुद्धि में भी चेंज होती है। आगे यह थोड़े ही समझते थे कि *शिवबाबा बिन्दी है।* ऐसे थोड़े ही कहेंगे कि पहले ऐसा क्यों नहीं बताया। बाप कहते हैं - सब बातें पहले ही थोड़े ही समझाई जाती हैं। *(C)* शिव को रूद्र भी कहते हैं। अब बाप पूछते हैं ज्ञान यज्ञ श्रीकृष्ण का है या शिव का है? *शिव को परमात्मा ही कहते हैं,*

उत्तर सं 7- C - *पार्वती*

यह तो बाप ही आकर पतितों को पावन बनाते हैं, अमरकथा सुनाते हैं। सो भी यहाँ ही सुनायेंगे ना। अमरनाथ पर तो नहीं सुनायेंगे ना। यह बातें तुम ही समझते हो। वो लोग कहाँ-कहाँ अमरनाथ पर जाकर धक्के खाते रहते हैं। यह नहीं समझते कि पार्वती को कथा किसने सुनाई? वहाँ तो शिव का चित्र दिखाते हैं। अच्छा शिव किसमें बैठा? शिव और शंकर दिखाते हैं। क्या शिव ने शंकर में बैठ कथा सुनाई? कुछ भी

समझते नहीं हैं, भक्ति मार्ग वाले अभी तक तीर्थ करने जाते रहते हैं। - *अर्थात शिव ने पार्वती को कथा सुनाई।*

उत्तर सं 8- A - *ब्रह्मा तन*

"निराकार परमात्मा का रिजर्व तन ब्रह्मा तन है"

यह तो अपने को पूरा निश्चय है कि परमात्मा अपने साकार ब्रह्मा तन द्वारा आकर पढ़ा रहे हैं.....अब इस पर समझाया जाता है परमात्मा की प्रवेशता होने समय ऐसे नहीं कि उस शरीर के कोई नयन, चयन बदली हो जाते हैं, नहीं। परन्तु हम जब ध्यान में जाते हैं तब नयन, चयन बदली हो जाता है परन्तु इस साकार ब्रह्मा का पार्ट ही गुप्त है। *जब परमात्मा इसके तन में आता है तो कोई को भी पता नहीं चलता, उसका यह तन रिजर्व किया हुआ है* इसलिए सेकेण्ड में आता है, सेकेण्ड में जाता है, अब इस राज़ को समझना। * (मम्मा की मुरली से)

उत्तर सं 9- B - *सुख और शांति*

अभी दु:ख बढ़ गया है। इस समय हमको सुख-शान्ति दोनों चाहिए। *भगवान से सब मांगते हैं - हे भगवान हमको सुख दो, शान्ति दो।* हर एक मनुष्य पुरुषार्थ करता ही है धन के लिए।

उत्तर सं 10- C - *वर्सा*

वास्तव में सिर्फ वह तुम्हारा बाप नहीं लेकिन सबका बाप है। यह भी समझने का है। जो भी सभी आत्मायें हैं उन सभी का बाप परमात्मा जरूर है। *बाबा-बाबा कहने से वर्सा जरूर याद आता है।* बाप को याद करने से ही विकर्म विनाश होंगे।

उत्तर सं 11- A - *सौ*

21 जन्मों के लिए साहूकार बनना है तो *गरीब का एक पैसा भी साहूकार के 100 रूपये के बराबर है* इसलिए बाप जब डायरेक्ट आते हैं तो अपना सब कुछ सफल कर लो। जितना साहूकार का पद उतना गरीब का। दोनों का एक हो जाता है।

उत्तर सं 12- D - *चावल का*

बच्चे, शिवबाबा को तुम्हारा कुछ नहीं चाहिए। तुम भल खाओ, पियो, पढ़ो - रिफ्रेश होकर चले जाओ लेकिन *चावल मुट्ठी का भी गायन है।*..... बाप कहते हैं - कुछ भी पैसा न दो सिर्फ मुझे याद करो तो पाप नाश होंगे और मेरे पास आ जायेंगे। यह मकान आदि तुम बच्चों ने अपने लिए ही बनवाये हैं। *यहाँ चावल मुट्ठी का गायन है ना।*

उत्तर सं 13- C - *कशिश होगी*

बाप कहते हैं - इन आंखों से जो कुछ देखते हो वह सब खत्म हो जाने का है। विनाश के बाद स्वर्ग को देखेंगे। अब तुम बच्चों को बहुत मीठा बनना चाहिए। *योग में रह कोई बात करेंगे तो उनको बड़ी कशिश होगी।* यह ज्ञान ऐसा है जो बाकी सब भूल जाता है।

उत्तर सं 14- B - *पार्टधारी*

मनुष्य आत्मा की कोई शक्ति नहीं चल सकती है। परमात्मा का ही सारा पार्ट चलता है, भल परमात्मा पार्ट में भी आता है, तो भी खुद न्यारा रहता है। लेकिन *आत्मा पार्ट में आते भी पार्टधारी के रूप में आ जाती है।* परमात्मा पार्ट में आते भी कर्मबन्धन से न्यारा है। आत्मा पार्ट में आते भी कर्मबन्धन के वश हो जाती है, यह है आत्मा और परमात्मा में अन्तर, भेद।

उत्तर सं 15- B - *गुणों का*

आत्मा और परमात्मा का रूप एक जैसा ज्योति रूप है। आत्मा और परमात्मा की आत्मा का साइज एक ही रीति में है, बाकी *आत्मा और परमात्मा में सिर्फ गुणों की ताकत का फर्क अवश्य है।* अब यह जो इतने गुण हैं वो सारी महिमा परमात्मा की है। परमात्मा दु:ख सुख से न्यारा है, सर्वशक्तिवान है, सर्वगुण सम्पन्न है, 16 कला सम्पूर्ण है, उनकी ही सारी शक्ति काम कर रही है। बाकी मनुष्य आत्मा की कोई शक्ति नहीं चल सकती है।

उत्तर सं 16- B - *गम्भीरता का*

इस ज्ञान में गम्भीरता का गुण धारण करना बहुत जरूरी है, कभी भी अपना अभिमान नहीं आना चाहिए। मैंने किया करावनहार करा रहा है मैं निमित्त हूं। ..... *हर सबजेक्ट में फुल मार्क्स जमा करनी है तो गम्भीरता का गुण धारण करो।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (14) खण्ड -{28}

प्रश्न 1- कुमारियां तो हैं ही किसकी ?

A- शिवबाबा की

B- बाप-दादा की

C- ब्रह्मा की

D- कन्हैया की

प्रश्न 2- बापदादा कौन सा सम्मेलन देखकर हर्षित हो रहे हैं ?

A- बाप बच्चों का

B- विचार समान मिलने का

C- स्नेह का

D- सफलता

प्रश्न 3- सुख किसमें है ?

A- शान्ति में

B- पवित्रता में

C- आनन्द में

D- पुरुषार्थ में

प्रश्न 4-सफलता का चुम्बक क्या है ?

A- मिलना और झुकना

B- झुकना और सहयोग देना

C- स्वीकार करना और समाना

D- मिलना और मोल्ड होना

प्रश्न 5- सबसे गरीब कौन है ?

A- मनुष्य

B- भारत

C- पतित

D अज्ञानी

प्रश्न 6 - खाओ, पियो, पढो और क्या करो ?

A- पवित्र बनो

B- बाप को याद करो

C- याद में मग्न हो जाओ

D- रिफ्रेश हो चले जाओ

प्रश्न 7- मरजीवा बनना आर्थात् ?

A- नया जन्म होना

B- पुरानी आयु पूरी होना

C- नॉलेज से परे

D- कर्मेंन्द्रियजीत

प्रश्न 8- कर्मेनद्रियों के वश होना अर्थात् ?

A- शूद्रपन होना

B- संस्कार अटका हुआ न हो

C- परमात्म स्नेह नहीं

D- नॉलेज से परे

प्रश्न 9- बाबा किसलिए आया है ?

A- नर से नारायण बनाने

B- अमरपुरी का मालिक बनाने

C- नई दुनिया की स्थापना करने

D- रावण राज्य का खात्मा करने

प्रश्न 10- बाप तुमको क्या करने के लिए नहीं कहते ?

A- सिर झुकाने के लिए

B- माथा टेकने के लिए

C- हाथ जोडने के लिए

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- हर एक मनुष्य किसके लिए पुरुषार्थ करता है?

A- स्वर्गवासी बनने के लिए

B- सुख के लिए

C- शान्ति के लिए

D- पैसे के लिए

प्रश्न 12- कलियुग में क्या है ?

A- रावण राज्य

B- दुःख के बन्धन

C- आसुरी धर्म

D- विकारी मनुष्य

प्रश्न 13-पांडव, शक्तियों से एक्स्ट्रा मार्क्स कैसे ले सकते हैं ?

A- सेवा में ज्यादा हार्ड वर्क करने से

B- प्लैनिंग बुद्धि होने के कारण

C- विकारी वातावरण में रहते न्यारे प्यारे रहने से

D- अथक बन हर समय सेवा की स्टेज पर एवरेडी रहने से

प्रश्न 14- महापापी की लिस्ट में कौन आते हैं ? (जिनको ब्राह्मण जीवन का सबसे बड़े से बड़ा पाप व दाग लगता है)

A- जो बाबा का बनकर फारगति देते हैं।

B- जो प्रकृति के आकर्षण के वशीभूत हो जाते हैं।

C- जो संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखते हैं।

D- जो किसी व्यक्ति या वैभव के वशीभूत हो जाते हैं।

प्रश्न 15- विश्व परिवर्तक बनने के पहले कौनसी शक्ति चाहिए ?

A- दिव्य दृष्टि की शक्ति

B- स्वयं को परिवर्तन करने की शक्ति

C- सफलता की शक्ति

D- बाप की छत्रछाया

प्रश्न 16- किसी की विशेषता के कारण उससे विशेष स्नेह हो जाना यह क्या है ?

A- लगाव

B- मोह

C- आकर्षण

D- A और C

भाग (14) खण्ड {28} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1 D - *कन्हैया की*

कुमारियाँ तो है ही कन्हैया की। बस एक शब्द याद रखना - सबमें एक, एकमत, एकरस, एक बाप। भारत के बच्चों को भी बापदादा दिल से मुबारक दे रहे हैं। जैसा लक्ष्य रखा वैसे लक्षण प्रैक्टिकल में लाया।

उत्तर सं 2 B - *विचार समान मिलने का*

सबका स्नेह, स्नेह के सागर में समा गया। ऐसे ही सदा स्नेह में समाये हुए औरों को भी स्नेह का अनुभव कराते चलो। *बापदादा सर्व बच्चों के विचार समान मिलने का सम्मेलन देख हर्षित हो रहे हैं।*

उत्तर सं 3 B - *पवित्रता में*

बाप कितना प्यार से बैठ समझाते हैं। बच्चे, यह एक जन्म अगर पावन बनेंगे तो 21 जन्म पावन दुनिया के मालिक बनेंगे। *पवित्रता में तो सुख है ना।* तुम पवित्र दैवी धर्म वाले थे। अब अपवित्र बन दु:ख में आये हो।

उत्तर सं 4 D - *मिलना और मोल्ड होना*

सर्व के सहयोग के कार्य के पहले सदा सर्व श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्माओं का सहयोग विश्व को सहयोगी सहज और स्वत: बना ही लेता है इसलिए सफलता समीप आ रही है। *मिलना और मुड़ना अर्थात् मोल्ड होना - यही सफलता का

चुम्बक है।* बहुत सहज इस चुम्बक के आगे सर्व आत्मायें आकर्षित हो आई कि आई!

उत्तर 5. B- भारत

भारत का इतना बुरा हाल, कंगाल बिल्कुल, कौड़ी तुल्य! कहाँ वो राजे लोग जिनके सोने के महल। कहाँ ये गवर्मेन्ट जो सबसे कर्जा उठाती रहती है । इसको कहा जाता है बेगर गवर्मेन्ट। यह अपना चिह्न दिखलाते हैं काँटे का तख्त बनाय करके। *अभी तो भारत बेगर हुआ ना।* अभी बेगर हुआ भारत, जो प्रिन्स था, बिल्कुल ही मालामाल था । उनमें हीरे-जवाहरों के महल बनते थे। तो याद दिलाते हैं कि तुम बच्चे जब स्वर्ग में थे, ये सब भक्तिमार्ग शुरू हुआ, कैसे सोमनाथ के मंदिर बनाये, हीरे-जवाहरों के रत्न जड़ित, तुम्हारे सोने के और हीरे के कितने महल होंगे। तो अभी याद दिलाते हैं कि देखो, जानते हो कि बरोबर भारत ऐसा था।

उत्तर 6. D- रिफ्रेश हो चले जाओ

तुम स्वर्ग से उतरते-उतरते नर्क में आकर पड़े हो। अब तुमको फिर स्वर्ग में ले जाता हूँ। तुमको कोई तकलीफ नहीं देता हूँ। सिर्फ मुझे याद करो और पवित्र बनो। भल एक पैसा भी न दो। *खाओ, पियो, पढ़ो, रिफ्रेश हो चले जाओ।* बाबा तो सिर्फ पढ़ाते हैं। पढ़ाई का पैसा कुछ नहीं लेते हैं। कहते हैं बाबा हम देंगे जरूर, नहीं तो वहाँ महल आदि कैसे मिलेंगे।

उत्तर 7 B- पुरानी आयु पूरी होना

जो बच्चे पूरा मरजीवा बन गये उन्हें कर्मेन्द्रियों की आकर्षण हो नहीं सकती। *मरजीवा बने अर्थात् सब तरफ से मर चुके, पुरानी आयु समाप्त हुई।* जब नया जन्म हुआ, तो नये जन्म, नई जीवन में कर्मेन्द्रियों के वश हो कैसे सकते।

उत्तर 8. D- नॉलेज से परे

ब्रह्माकुमार-कुमारी के नये जीवन में *कर्मेन्द्रियों के वश होना क्या चीज़ होती है - इस नॉलेज से भी परे।* मालिक बन, अथॉरिटी बन कर्मेन्द्रियों के सम्बन्ध में आये, विनाशी कामना से न्यारा हो कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म कराये। आत्मा

मालिक को कर्म अपने अधीन न करे लेकिन अधिकारी बन कर्म कराता रहे। कर्मेन्द्रियाँ अपने आकर्षण में आकर्षित करती हैं अर्थात् कर्म के वशीभूत बनते हैं, अधीन होते हैं, बन्धन में बंधते हैं।

उत्तर 9. B- अमरपुरी का मालिक बनाने

अमरपुरी में जाने के लिए अमरनाथ बाबा से तुम अमरकथा सुनते हो। वहाँ तो कोई मरते नहीं। मुख से कभी ऐसे नहीं कहेंगे फलाना मर गया। आत्मा कहती है हम यह जड़जड़ीभूत शरीर छोड़कर नया लेता हूँ। वह तो अच्छा हुआ ना। वहाँ कोई बीमारी आदि होती नहीं। मृत्युलोक का नाम नहीं। *मैं आया हूँ तुमको अमरपुरी का मालिक बनाने।* वहाँ जब तुम राज्य करेंगे तो मृत्युलोक का कुछ भी याद नहीं पड़ेगा।

उत्तर 10. B- *माथा टेकने के लिए*

मोस्ट स्वीट बाबा को जितना याद करेंगे उतना वर्सा मिलेगा। तुम बहुत धनवान बनेंगे। *बाप तुमको ऐसा नहीं

कहते हैं कि माथा टेको।* मेले मलाखड़े में जाओ। नहीं। घर में बैठे बाप और वर्से को याद करो। बस।

माथा टेकने के लिए चाखड़ी रखते हैं, *मुझे तो पैर हैं नहीं जो तुमको माथा टेकना पड़े।*

भक्ति मार्ग में भी बहुत भटकते हैं, जिसको माथा टेकते उनको जानते नहीं। बाप आकर भटकने से छुड़ा देते हैं। समझाया जाता है।

उत्तर 11. D- पैसे के लिए

अविनाशी बाप अविनाशी पुरुषार्थ कराते हैं। यहाँ तो पैसे के लिए क्या नहीं करते हैं - बाप बच्चों को, बच्चे बाप को भी मार डालते हैं। पैसा इकट्ठा करने के लिए आजकल बड़े-बड़े जो भी ऑफिसर्स हैं, लाइसेन्स देते हैं, इतना रिश्वत खाते हैं, इतना पैसा लेते हैं, बात नहीं पूछो। 50-50 लाख का केस करते हैं रिश्वत खाने का। जो लोग अखबार पढ़ते हैं, जो पढ़े-लिखे हैं वो जानते हैं कि करोड़ों रुपया खा जाते हैं। फिर उनके ऊपर केस चलते हैं। *पैसे के लिए मनुष्य को कितना पाप करना पड़ता है।*

उत्तर 12. B- दु:ख के बन्धन

अभी तुम जानते हो बेहद के बाप से हम स्वर्ग के घनेरे सुख पा रहे हैं। यह दु:ख के सब बन्धन खलास हो जायेंगे। सतयुग में है सुख का सम्बन्ध। *कलियुग में है दु:ख का बन्धन।* बाप सुख के सम्बन्ध में ले जाते हैं। उनको कहा ही जाता है - दु:ख हर्ता सुख कर्ता।

उत्तर 13. C- विकारी वातावरण में रहते न्यारे प्यारे रहने से

पाण्डव वातावरण के विकारी वायब्रेशन के बीच ज्यादा रहते हैं, इसलिए ऐसे वातावरण में रहते हुए न्यारे और प्यारे रहते हैं तो उनको इस सफलता में शक्तियों से एक्स्ट्रा मार्क्स मिलती हैं। लेकिन इस लॉटरी को और ज्यादा कार्य में लाओ व ऐसा गोल्डन चान्स और ज्यादा लेना।

उत्तर 14. C- जो संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखते हैं।

वास्तव में ब्राह्मण आत्मा अगर *संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखती है अर्थात् इस चमड़ी को देखती है, चमड़ी अर्थात् जिस्म द्वारा विकारी भावना रखते हैं तो ऐसी भावना रखने वाले भी महापापी की लिस्ट में आ जाते हैं।* ब्राह्मण जीवन में बड़े से बड़ा पाप व दाग़ इस विकारी भावना का गिना जाता है।

उत्तर 15. B- स्वयं को परिवर्तन करने की शक्ति

जैसे बाप विश्व को परिवर्तन करने के लिए निमित्त हैं वैसे ही आप सब भी सदा अपने को इसी कार्य के निमित्त समझकर चलते हो?यह स्मृति कायम रहती है कि मुझे परिवर्तन करना है? *विश्व को परिवर्तन करने वाले पहले स्वयं को परिवर्तन करते हैं।* जो स्वयं का परिवर्तन किसी भी बात में नहीं कर पाते, वे विश्व के परिवर्तन का कार्य करने अर्थ निमित्त* कैसे बन सकते हैं? अभी-अभी बापदादा डायरेक्शन दें कि एक सेकेण्ड में अपनी स्मृति को परिवर्तन

कर लो अर्थात् स्वयं को देह नहीं आत्मा के स्वरूप में स्थित होकर देखो

उत्तर 16. D- A और C

किसी की विशेषता के कारण उससे विशेष स्नेह हो जाना - ये भी लगाव है। (10.10.21 का स्लोगन)

वर्तमान समय रूहानी दृष्टि और वृत्ति के अभ्यास की बहुत आवश्यकता है। 75 प्रतिशत इस रुहानियत के अभ्यास में कमज़ोर हैं। मैजॉरिटी *किसी-न-किसी प्रकार के प्रकृति के आकर्षण के वशीभूत हो ही जाते हैं।* व्यक्ति व वैभव कभी-न-कभी अपने वश कर लेता है। उसमें भी मन्सा संकल्प के चक्कर में खूब परेशान होने वाले हैं। इस परेशानी के कारण स्वयं से दिलशिकस्त भी हो जाते हैं।वास्तव में ब्राह्मण आत्मा अगर संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखती है अर्थात् इस चमड़ी को देखती है। शरीर के आकर्षण में आ जाते हैं।